

Glossary - Lesson No. 5

शब्दावली (पाठ-५)

الفاظ و معنی (سبق نمبر- ۵)

English	हिंदी	اردو	عربی
house	घर, भवन	گھر	دَارٌ
food	खाना, भोजन	کھانا	طَعَامٌ
sinner	गुनहगार, पापी, अपराधी	گناہ گار	آثِمٌ
doubt	शक, सन्देह	شک	رَيْبٌ
ear (p)	कान (बहुवचन)	کان	أُذُنٌ
the cattle	चौपाए, मवेशी, पशु, जानवर	چوپائے, مویشی	الْأَنْعَامُ
milk, curd	दूध, दही	دودھ, دہی	لَبَنٌ
the people, men, folk	लोग	لوگ (جمع)	النَّاسُ
recitation, reading	पढ़ना, तिलावत	پڑھنا, تلاوت کرنا	تِلَاوَةٌ
rebellion	सरकशी, विद्रोह	سرکشی	طُغْيَانٌ
covenant, pact, agreement	करार, वचन, प्रतिज्ञा	میثاق, قرار, اقرار	مِيثَاقٌ
remembrance, admonition	याद, जिक्र, नसीहत, स्मरण	یاد, ذکر, نصیحت	ذِكْرٌ
lesson	सबक, पाठ	سبق	دَرْسٌ
fear	डर, भय	ڈر, خوف	خَذَرٌ
show-off	दिखावा, आडंबर	دکھاوا	رِثَاءٌ
talk, speech	बात	بات	كَلَامٌ
man	आदमी	آدمی	بَشَرٌ
servants, slaves	बन्दे, आराधक	بندے	عِبَادٌ
call	बुलाना, दावत देना, निमंत्रण	بلانا, دعوت	دَعْوَةٌ
growth, herbage, vegetation	जमीन की पैदावार, वनस्पति	زمین کی پیداوار, نباتات	نَبَاتٌ
blessings	बरकतें	برکتیں	بَرَكَاتٌ
obedience	आज्ञा-पालन	اطاعت, کہا ماننا	إِطَاعَةٌ
the fire	(the)आग, अग्नि	آگ (خاص)	النَّارُ

- * جب ایک اسم کی نسبت دوسرے اسم کی طرف ہو رہی ہو تو اس مرکب کو مرکب اضافی کہتے ہیں۔ اسے 'کا۔ کے۔ کی' والا مرکب بھی کہتے ہیں۔
مثلاً: ایک اسم 'کتاب' کی نسبت دوسرے اسم 'حامد' کی طرف ہو رہی ہو تو مرکب بن جائے گا 'کِتَابُ حَامِدٍ' (حامد کی کتاب)۔
- * ایسے مرکب میں الفاظ کی ترتیب اردو ترتیب سے ٹھیک مخالف ہوتی ہے۔
- * الفاظ کی اس ترتیب میں (عربی میں) پہلے لفظ کے آخری حرف پر ایک 'پیش' اور دوسرے لفظ کے آخری حرف کے نیچے دو 'زیر' ہوا کرتے ہیں۔ اس سے (کا)، (کی) اور (کے) کے معنی پیدا ہو جاتے ہیں۔
- * مرکب اضافی میں پہلا اسم جس کی اضافت کی جائے اُسے مضاف اور دوسرا اسم جس کی طرف اضافت کی جائے اُسے مضافِ الیہ کہتے ہیں۔ مضاف نہ تو نام ہوتا ہے اور نہ اس پر 'ال' آتا ہے۔ لیکن مضافِ الیہ نام ہو گا یا پھر اس پر 'ال' آئے گا۔ 'ال' آنے کی صورت میں 'مضافِ الیہ' کے آخری حرف کے نیچے صرف ایک زیر آئے گا۔ مثالوں پر غور کر کے قواعد کو اچھی طرح سمجھنے کی کوشش کریں۔

* ऐसे वाक्य जिसमें एक संज्ञा का संबंध दूसरी संज्ञा से हो रहा हो, उसे संबंध-कारक वाक्य कहते हैं, जिसमें का, की, के का अर्थ होता है। जैसे: **हामिद की किताब** यही वाक्य अरबी में इस प्रकार होगा: **کِتَابُ حَامِدٍ**

* इस प्रकार के शब्दों के संग्रहण में पहले शब्द के आखरी अक्षर पर 'एक पेश' और दूसरे अक्षर के आखरी शब्द के नीचे दो जेर (तनवीन) होती है। जिसके कारण का, की, के का अर्थ प्राप्त होता है।

* संबंध-कारक वाक्यों में पहले शब्द (संज्ञा) को **मुजाफ** और दूसरे शब्द को **मुजाफ इलैह** कहते हैं। अरबी में अनुवाद करते समय पहले **मुजाफ इलैह** और बाद में **मुजाफ** लिखा जाता है। मुजाफ पर कभी **अल** नहीं लगाया जाता। परन्तु **मुजाफ इलैह** या तो विशेष संज्ञा होती है या इस पर **अल** लगाया जाता है।

* When two nouns relate with each other it is called Possessive or Genitive case. This also gives meaning of particle " of " like Book of Hamid. In Arabic it will be **کِتَابُ حَامِدٍ**

* In such arrangement of words, first word bears *Pesh* on last alphabet and second word bears *Tanveen* i.e. *two Zer* below last alphabet. That creates the meaning " of ".

* In genitive case, first noun is called '*Mudaaf*'. It will always be a Proper Noun and in no case will take-on article '*AL*'. But the second Noun '*Mudaaf Elaih*' should be Common Noun or be particularised with '*AL*'.

Examples :

उदाहरण

مثلاً :

<p>قَلَمُ حَامِدٍ</p> <p>हामिद का कलम</p> <p>pen of Hamid</p>	<p>قَوْمُ نُوحٍ</p> <p>नूह की कौम</p> <p>Nation of Nooh</p>	<p>بَابُ الْبَيْتِ</p> <p>घर का दरवाजा</p> <p>door / gate of a house</p>
---	---	--

EXERCISE

Translate the following :

انুবاد کرے

ترجمہ کریں :

ثَوَابُ الْآخِرَةِ	دَارُ الْآخِرَةِ	دَارُ حَامِدٍ
.....
حَيَوَةُ الدُّنْيَا	مِيثَاقُ حَامِدٍ	طَعَامُ الْآثِيمِ
.....
مَلِكُ النَّاسِ	يَوْمُ الْعَذَابِ	رَيْبُ الْإِنْسَانِ
.....
عَذَابُ النَّارِ	خَالَةُ زَيْدٍ	أُذُنُ الْأَنْعَامِ
.....
عِبَادُ اللَّهِ	إِقَامَةُ الْعَدْلِ	أَمْوَالُ النَّاسِ
.....
دَعْوَةُ الطَّعَامِ	ذِكْرُ الدَّرْسِ	لَبَنُ الْأَنْعَامِ
.....
نَبَاتُ الْأَرْضِ	حَذَرُ الْمَوْتِ	رَبُّ الْعَالَمِينَ
.....
حَذَرُ النَّاسِ	رِقَاءُ النَّاسِ	تِلَاوَةُ الْكِتَابِ
.....
بَرَكَاتُ الْأَرْضِ	مِيثَاقُ النَّاسِ	طُغْيَانُ الشَّيْطَانِ
.....
إِطَاعَةُ الْوَالِدَيْنِ	كَلَامُ الْبَشَرِ	بَيْتُ خَالِدٍ
.....